

# 狱中吟

作词：高秋菊  
作曲：修乐

1= D  $\frac{2}{4}, \frac{4}{4}$

(0 5 1 2 3 6 5 3 | 2· 3 2 1 6 | 1 - - - ) | 0 5 6 5 1 2 3 | 5 - 0 6 5 6 |

1. 难大 看似 山, 大法  
2. 生命 重似 山, 真理

3 3 2 1 2 - | 0 2 3 5 1 7 6 | 6 - 0 3 5 6 | 3· 5 2 1 6 | 1 - - - |

大过天, 取经多蹉跎, 修炼当有难。  
大过天, 狱中难友多, 月月见新颜。

$\frac{2}{4}$  5 5 5 3 5 | 3 2 3 | 1 6 1 2 3 | 2 - | 5 3 5 | 2 1 6 | 1 | 3 2 3 7 6 | 5 - |

知法明事理, 心静少忧烦, 心存“真善忍”, 磨练志愈坚。  
相见目传情, 对笑心相连, 堵水水越溢, 困囚志更坚。

5 5 5 3 5 | 6· 5 3 | 2 2 3 1 2 3 | 5 - | 6 5 6 | 1 6 1 2 | 3 2 3 2 1 6 | 1 - :||

大法世上传, 恩师多磨难, 度人耗费神, 徒弟超亿万。  
生死何所惧, 佛法在人间, 今生没白活, 待法几千年。

$\frac{4}{4}$  0 5 6 5 1 2 3 | 5 - 0 6 5 6 | 3 3 2 1 2 - | 0 2 3 5 1 7 6 | 6 - 0 3 5 6 |

自由贵如山, 师恩大过天, 教我知法理, 明了

散板 3· 5 2 1 6 | 1 - - - |  $\frac{2}{4}$  0 3 5 3 | 6 - | 6 3 2 1 2 | 2 - | 2 1 6 1 | 2 3 3 |

事根源。 堂堂做好人, 烈火中锤

3 3 2 1 2 | 6 - | 6 1 2 3 | 5 3 5 6 | 6 - | 6 3 5 6 | 7 - | 7 6 3 5 6 |

炼, 以身证实法, 为法苦也

5 - | 0 1 2 3 | 5 3 5 6 | 3 - | 0 1 2 3 | 2 - | 2 2 1 6 5 | 6 - |

甜。 今生幸得法, 随师返家园,

0 1 2 3 | 5 3 5 6 | 6 - | 6 3 5 6 | 1 - | 7 6 5 6 | 6 - | 6 - ||

今生幸得法, 随师返家园。